

Department of Computer Science & Engineering and Information Technology  
BPS Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan Sonipat  
(A State University Established under the Legislative Act No. 31/2006)

Ref. No. BPSMV/CSE/IT/23/D/296.

Dated .04/05/2023.....

Subject: Regarding Media Report for Expert Talk on 02.05.2023.

Respected sir,

In this context, it is stated that the Media Report for Expert Talk on "Fake news identification, Fact findings, Data verification on Google" and pics of the events are also enclosed herewith for further necessary action.

  
24/5/23  
Assistant

  
Chairperson

PRO

R.I.O. with remarks that, the said press  
note has already been published.

Chairperson CSE

Office record

Sony 6/5/23

Dr. Manju / Assistant  
Done Manju  
8/5/23

  
6/5/23

### FORMAT FOR MEDIA REPORT TO PRO OFFICE

1. Name of the event:- Expert Talk on "Fake news identification, Fact findings, Data verification on Google"
2. Date (s):- 2<sup>nd</sup> May, 2023
3. Duration of the event:- Two Hour
4. Timings :- 11:00 am- 1:00 pm
5. Objective of the program: To sensitize the students about Fake News and their effects
6. Resource person:- Prof. Umesh Arya, GJUST, Hisar
7. Brief biography of resource person such as, designation, institute, and other achievements in 150-200 words:

Prof. Umesh Arya is Media Teacher, Life Coach, Healer and a Corporate Trainer. He is also the Dean & Chairman, faculty of media studies in Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar. He has a teaching career of 22 years and has 40 publications in national and international journals. He has delivered more than 3500 Lectures and 350 webinars on various topics ranging from technological applications, to Neuro Linguistic Programming (NLP) and his Ph.D. findings are published on the website of United Nations Public Administration Network (UNPAN). Prof. Arya has copyrighted one term - "TecVac" (Technology Vacation). He aspires to leverage the online education methodology with his own channel on You Tube. He has developed lot of e-manuals for the teachers on these topics. Prof. Arya has delivered lectures on the EDUSAT on "Information Overload", "Meta-literacy", "Effective searching techniques", "Google power searching techniques", Waste reduction in learning etc. Prof. Arya has served as Deputy Director of Human Resource Development Center in his university. He is a certified hypnotherapist and past life regression therapist. He is a certified NLP (Neuro Linguistic Programming) communication coach. He has treated thousands of people affected by the mental health issues. He is a corporate trainer and is on the panel of many Blue chip companies like Jindal Stainless Steel, HCL, Kocreate Technologies, Wipro etc. Prof. Arya is also a trainer of Google News Initiative India Training Network. His main passion is to coach people explore the quantum possibilities inside them.

8. Convener of program & organizing committee :- Dr. Manju Saroha
9. Chief guest (if any) :- Chairperson of the department (Ms. Sonal)
10. Key notes by the resource person (any 5 main points):-
  - Fake News Identification
  - Various forms of Fake News
  - Fact finding of Fake news
  - How to verification the news
  - Various laws for spreading Fake news.
11. Key notes by the chief guest (any 3 points):-
  - Why we need to talk on the Fake News identification
  - Role of society to avoid fake news spreading
  - Need of Awareness about verification of data
12. Attendees of program such as, students & their no., faculty & their no., non-teaching & their no.:-

Total 80 students, 08 faculty members and 2 non-teaching staff members were present
13. Stage conducted by : By the student ( Riya, B Tech., Third Year)

*Manju*



## प्रो ऑफिस को मीडिया रिपोर्ट के लिए प्रारूप

1. कार्यक्रम का नाम:- "फर्जी समाचार पहचान, तथ्य खोज, Google, पर डेटा सत्यापन" पर विशेषज्ञ वार्ता
2. दिनांक (तारीख):- 2 मई, 2023
3. आयोजन की अवधि:- दो घंटे
4. समय:- सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक
5. कार्यक्रम का उद्देश्य: छात्रों को फेक न्यूज और उनके प्रभावों के बारे में संवेदनशील बनाना
6. संसाधन व्यक्ति:- प्रो उमेश आर्य, GJUST, हिसार
7. संसाधन व्यक्ति की संक्षिप्त जीवनी जैसे पदनाम, संस्थान और अन्य उपलब्धियां 150-200 शब्दों में:

प्रो उमेश आर्य मीडिया टीचर, लाइफ कोच, हीलर और कॉर्पोरेट ट्रेनर हैं। वह गुरु जंभेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में मीडिया अध्ययन संकाय के डीन और अध्यक्ष भी हैं। उनका 22 साल का शिक्षण करियर है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके 40 प्रकाशन हैं। उन्होंने तकनीकी अनुप्रयोगों से लेकर न्यूरो भाषाई प्रोग्रामिंग (एनएलपी) और उनके पीएच.डी. तक विभिन्न विषयों पर 3500 से अधिक व्याख्यान और 350 वेबिनार दिए हैं। निष्कर्ष संयुक्त राष्ट्र लोक प्रशासन नेटवर्क (यूएनपीएएन) की वेबसाइट पर प्रकाशित किए गए हैं। प्रोफेसर आर्य ने एक शब्द - "TecVac" (प्रौद्योगिकी अवकाश) को कॉपीराइट किया है। वह यूट्यूब पर अपने स्वयं के चैनल के साथ ऑनलाइन शिक्षा पद्धति का लाभ उठाने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने इन विषयों पर शिक्षकों के लिए बहुत सारे ई-मैनुअल विकसित किए हैं। प्रोफेसर आर्य ने EDUSAT पर "सूचना अधिभार", "मेटा-साक्षरता", "प्रभावी खोज तकनीक", "गूगल पावर सर्चिंग तकनीक", सीखने में अपशिष्ट में कमी आदि पर व्याख्यान दिया है। प्रोफेसर आर्य ने मानव उप निदेशक के रूप में कार्य किया है। उनके विश्वविद्यालय में संसाधन विकास केंद्र। वह एक प्रमाणित सम्मोहन चिकित्सक और पिछले जीवन प्रतिगमन चिकित्सक हैं। वह एक सर्टिफाइड एनएलपी (न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग) कम्युनिकेशन कोच हैं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से प्रभावित हजारों लोगों का इलाज किया है। वह एक कॉर्पोरेट ट्रेनर हैं और जिंदल स्टेनलेस स्टील, एचसीएल, कोक्रेट टेक्नोलॉजीज, विप्रो आदि जैसी कई ब्लू चिप कंपनियों के पैनल में हैं। प्रो आर्य गूगल



न्यूज इनिशिएटिव इंडिया ट्रेनिंग नेटवर्क के ट्रेनर भी हैं। उनका मुख्य जुनून लोगों को उनके अंदर क्वांटम संभावनाओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित करना है।

8. कार्यक्रम एवं आयोजन समिति की संयोजक :- डॉ. मंजू सरोहा
9. मुख्य अतिथि (यदि कोई हो) :- विभागाध्यक्ष (सुश्री सोनल)
10. संसाधन व्यक्ति द्वारा मुख्य टिप्पणियाँ (कोई 5 मुख्य बिंदु):-
  - नकली समाचार पहचान
  - फेक न्यूज के विभिन्न रूप
  - फेक न्यूज की तथ्यान्वेषण
  - खबरों की पुष्टि कैसे करें
  - फेक न्यूज फैलाने के लिए विभिन्न कानून।
11. मुख्य अतिथि द्वारा मुख्य टिप्पणियाँ (कोई 3 बिंदु):-
  - हमें नकली समाचार पहचान पर बात करने की आवश्यकता क्यों है
  - फेक न्यूज फैलने से रोकने के लिए समाज की भूमिका
  - डेटा के सत्यापन के बारे में जागरूकता की आवश्यकता
12. कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र और उनकी संख्या, संकाय और उनकी संख्या, गैर-शिक्षण और उनकी संख्या:-
- कुल 80 छात्र, 08 संकाय सदस्य और 2 गैर-शिक्षण कर्मचारी सदस्य उपस्थित थे।
13. मंच का संचालन : छात्र द्वारा (रिया, बीटेक, तृतीय वर्ष)

*Mangli*





has already been published.





Note cam li

Address : Sonipat, H

Latitude : 29.15676

Longitude : 76.8062

Altitude : 23.44 met

Date : 05/02/2023

Accuracy : 20.0 met

Time zone : IST

Captured by







